हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)
(वसंत)(पाठ 8)(विष्णु प्रभाकर – ऐसे–ऐसे)
(कक्षा 6)

प्रश्न अभ्यास

प्रश्न 1:
'सड़क के किनारे एक सुंदर फ्लैट में बैठक का दृश्य। उसका एक दरवाजा सड़क वाले बरामदे में खुलता है. .....उस पर एक फोन रखा है।' इस बैठक की पूरी तसवीर बनाओ।

उत्तर 1:
छात्रा दिए गए विवरण के आधार पर स्वयं चित्र निर्माण करेंगे ।

प्रश्न 2:
माँ मोहन के 'ऐसे–ऐसे' कहने पर क्यों घबरा रही थी?

उत्तर 2:
मोहन पेट में दर्द का बहाना कर रहा था । इसीलिए मॉ के बार–बार पूछने पर भी वह केवल ऐसे–ऐसे ही कह रहा था । मोहन की बेचैनी को देखकर मॉ घबरा रही थी । उसे मोहन का चेहरा भी पीला पड़ता नजर आ रहा था ।

प्रश्न 3:
ऐसे कौन–कौन से बहाने होते हैं जिन्हें मास्टर जी एक ही बार में सुनकर समझ जाते हैं ? ऐसे कुछ बहानों के बारे में लिखो।

उत्तर 3:
ऐसे बहुत से बहाने होते हैं जिन्हें देखकर मास्टर जी समझ जाते हैं कि बच्चा बहाने बना रहा है – जैसे पेट दर्द , सिर दर्द , लूज मोशन , माता या पिता की खराब तबियत का बहाना या बस छूट जाना आदि ।